सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–332
17/03/2010

विश्व के विकसित देशों को पर्यावरण की समस्या का समाधान खोजना होगा, पर्यावरण संरक्षण पर सर्वानुमति आवश्यक :– मुख्यमंत्री

पटना, 17 मार्च 2010 :– ग्लोबल वार्मिंग का असर बिहार पर भी पड़ रहा है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण पर सर्वानुमति की आवश्यकता है। इस पर यदि ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाली पीढ़ी को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसके लिए जागरूकता की भी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज बिहार विधान परिषद उपभवन सभागार में 'वर्तमान परिस्थिति में पर्यावरण की समस्या और उसका समाधान' पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुये यह विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर पर्यावरणविद् एवं नॉबेल पुरस्कार विजेता डॉ0 आर0के0 चौधरी को सम्मानित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि आज पर्यावरण की महत्ता पर डॉ0 आर0के0 पचौरी जैसे पर्यावरणविद को पर्यावरण की समस्या और उसके समाधान पर उनके विचार सुनेंगे। डॉ0 पचौरी इस विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष भी हैं।

मुख्यमंत्री ने बिहार विधान परिषद के सभापति को बधाई दी कि उन्होंने बिहार विधान परिषद की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति बनाई है। जो लोग कानून बनाते हैं, वे सभी चिन्तित हैं। मीडिया के माध्यम से दुनिया में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी तो मिलती है लेकिन आज हम एक पर्यावरणविद एवं नॉबेल पुरस्कार विजेता से सीधे सुन पायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण के बदलते स्वरूप के कारण ही वातानुकूलित कमरे की आवश्यकता पड़ रही है, जबकि आज से 10–15 साल पूर्व इसकी आवश्यकता नहीं थी। मौसम का चक्र बदल रहा है। कभी वर्षा की कमी, कभी आधिक्य। इस बार पटना में 25 दिसम्बर से लगभग एक माह तक ठंढ़े की जो स्थिति थी, इससे लगता था कि हम कुलिंग स्टेज में आ गये हैं। पटना में 15 साल पहले जो गंगा थी, वह अब नहीं है। गंगा नदी पर करोड़ों की निर्भरता है लेकिन अभी गंगा नदी बालू का टिला है। समस्या जटिल है। उन्होंने कहा कि जहॉ औद्योगिकरण हुआ है, वहॉ उपभोक्ता संस्कृति भी बढ़ी है। यह सही है कि अन्य विकसित देशों की अपेक्षा भारत में कार्बन उत्सर्जन काफी कम है लेकिन जिस तरह शरीर के किसी भाग में दर्द होने पर पूरे शरीर में महसूस किया जाता है, उसी तरह ग्लोबल वार्मिंग का असर इस देश पर भी पड़ना लाजिमी है। गर्मी आ रही है, ग्लेशियर पिघल रहा है। बिहार का इसमें कोई कसूर नहीं है, फिर भी हम भुक्तभोगी हैं, हम भी प्रभावित होंगे। विश्व के विकसित देशों को खतरा महसूस करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा पर काम चल रहा है। बिहार में प्रति व्यक्ति बिजली का औसत मात्र 72 से बढ़कर 90 यूनिट हुआ है, जबकि राष्ट्रीय औसत प्रति व्यक्ति 600 यूनिट है। बिहार के लिए सौर ऊर्जा की आवश्यकता अधिक है। इसकी टेक्नोलॉजी ऐसी होनी चाहिये, जिससे सस्ते दर पर सौर ऊर्जा प्राप्त हो सके। सरकार चाहती है कि हर परिवार में सोलर लाइट की व्यवस्था हो। इसकी योजना पर कार्य चल रहा है। हर धर्म में पर्यावरण का

महत्व है। वृक्षारोपण की कई योजनायें भी चलाई जा रही है। स्कूली बच्चों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु राशि भी दी जा रही है।

प्रख्यात पर्यावरणविद एवं नॉबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ0 आर0के0 पचौरी ने पर्यावरण की समस्या पर विस्तार से प्रकाश डाला और देश तथा बिहार राज्य के परिप्रेक्ष्य में कई सुझाव भी दिये।

इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति श्री ताराकान्त झा, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी तथा बिहार विधान परिषद के पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष श्री संजय झा, राज्य सरकार के कई मंत्रीगण, विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्य सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

******